समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

Prof. Sachin Suresh Shinde: संघर्ष से सफलता तक, ‘Shree Classes’ के माध्यम से गढ़ रहे हजारों विद्यार्थियों का भविष्य

Sanket Morankar

Published on 23 Apr 2026

Prof. Sachin Suresh Shinde की कहानी संघर्ष, समर्पण और शिक्षा के प्रति जुनून की एक प्रेरणादायक मिसाल है। एक साधारण परिवार से निकलकर उन्होंने न केवल अपने सपनों को साकार किया, बल्कि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा देने का कार्य भी किया।

साधारण शुरुआत, बड़े सपने

15 दिसंबर 1982 को जन्मे Prof. Sachin Suresh Shinde का बचपन आर्थिक चुनौतियों के बीच बीता। उनके पिता किसान थे, बाद में नौकरी के लिए नाशिक में स्थायिक हुए। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने शिक्षा को प्राथमिकता दी और कठिन परिस्थितियों में अपनी पढ़ाई पूरी की।

उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर M.Tech (Chemical) की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाना शुरू किया, जो आगे चलकर उनके जीवन का उद्देश्य बन गया।

‘Shree Classes’ की शुरुआत

शुरुआत बेहद छोटे स्तर से हुई—घर के एक छोटे से स्थान पर केवल एक छात्र को पढ़ाकर। उस समय फीस मात्र ₹300 थी, लेकिन यही छोटी शुरुआत आगे चलकर एक बड़े संस्थान की नींव बनी।

धीरे-धीरे विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने लगी और 2003 के बाद ‘Shree Classes’ ने एक व्यवस्थित कोचिंग संस्थान का रूप ले लिया।

निरंतर विकास और विस्तार

आज Shree Classes नाशिक में एक प्रतिष्ठित नाम बन चुका है। यहां 8वीं से 12वीं (SSC, CBSE) के साथ-साथ डिप्लोमा और डिग्री के विद्यार्थियों को भी मार्गदर्शन दिया जाता है।

संस्थान में आधुनिक सुविधाएं, CCTV निगरानी, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वर्तमान में यहां 1000 से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

शिक्षा को बनाया मिशन

Prof. Sachin Suresh Shinde का मानना है कि शिक्षा हर छात्र का अधिकार है। इसी सोच के साथ वे जरूरतमंद विद्यार्थियों को फीस में रियायत भी देते हैं और कई बार आर्थिक सहायता भी प्रदान करते हैं।

उनकी कोशिश रहती है कि कोई भी छात्र केवल पैसों की कमी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे।

कोविड काल में भी जारी रहा ज्ञानदान

कोविड-19 के कठिन समय में जब सब कुछ ठप था, तब Shree Classes ने ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा जारी रखी। मोबाइल और लाइव सेशंस के जरिए विद्यार्थियों तक पढ़ाई पहुंचाई गई, जिससे उनका शैक्षणिक नुकसान कम हुआ।

सम्मान और उपलब्धियां

शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान को कई बार सराहा गया है। उन्हें PCCDA द्वारा लगातार वर्षों तक 'उत्कृष्ट शिक्षक' पुरस्कार मिला। इसके अलावा 2024 में 'Master Mentor' और 'Maharashtra Udyog Ratna' जैसे सम्मान भी प्राप्त हुए।

सामाजिक जिम्मेदारी

Prof. Sachin Suresh Shinde शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। अनाथालयों में शैक्षणिक सामग्री वितरण, जरूरतमंद छात्रों की मदद और समाज के प्रति जागरूकता उनके कार्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भविष्य का लक्ष्य

उनका सपना एक किफायती इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करना है, जहां सामान्य परिवार के विद्यार्थी भी आसानी से उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.